मुद्रक - सद्गुरु ऑफसेट, बाड़मेर : 9413137

कृषि विज्ञान केन्द्र-गुडामालानी

प्रसार शिक्षा निदेशालय

(कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर)

भाकृअनुप ICAR

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कीट नियंत्रण में उपयोगी लाईट ट्रैप

डॉ. बी.एल. मीणा
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष

डॉ. बाबूलाल जाट
विषय विशेषज्ञ पौध संरक्षण

डॉ. गीतेश मिश्र
विषय विशेषज्ञ-पशुपालन

डॉ. विकास कुमार
विषय विशेषज्ञ प्रसार

गंगाराम माली
कार्यक्रम सहायक

लाइट ट्रैप लगायें फसलों को कीड़ों से बचायें

- कीड़े मुख्य रूप से रात्रिचर होते हैं तथा प्रकाश की तरफ आकर्षित होते हैं!
- लाइट ट्रैप हानिकारक कीड़ों को नियंत्रण करने का प्रमुख उपाय है!
- लाइट ट्रैप लगाने से कीड़ों की निगरानी करना बहुत ही आसान हो जाता है तथा यह प्रमुख रूप से शाम के समय लगायी जाती है!
- मानसून की पहली बारिश होते ही इन कीड़ों का निकलना शुरु हो जाता है!
- इन कीड़ों में कातरा, सुंडी व सफ़ेद लट का वयस्क भृंग (उड़ने वाला कीड़ा) प्रमुख हैं!
- उड़ने वाले कीड़ों को पकड़ने के लिए यह तकनीक बहुत ही कारगर होती है!
- इस तकनीक से नर एवं मादा दोनों प्रकार के कीड़े को पकड़ा जाता है!
- यह तकनीक बहुत ही टिकाऊ है तथा लंबे समय तक उपयोग में लायी जाती है!
- इस तकनीक का उपयोग करके हानिकारक रासायनिक कीटनाशकों के इस्तेमाल को बहुत ही कम किया जा सकता है!

लाइट ट्रैप के प्रकार -

1. बीजली चालित लाइट ट्रैप

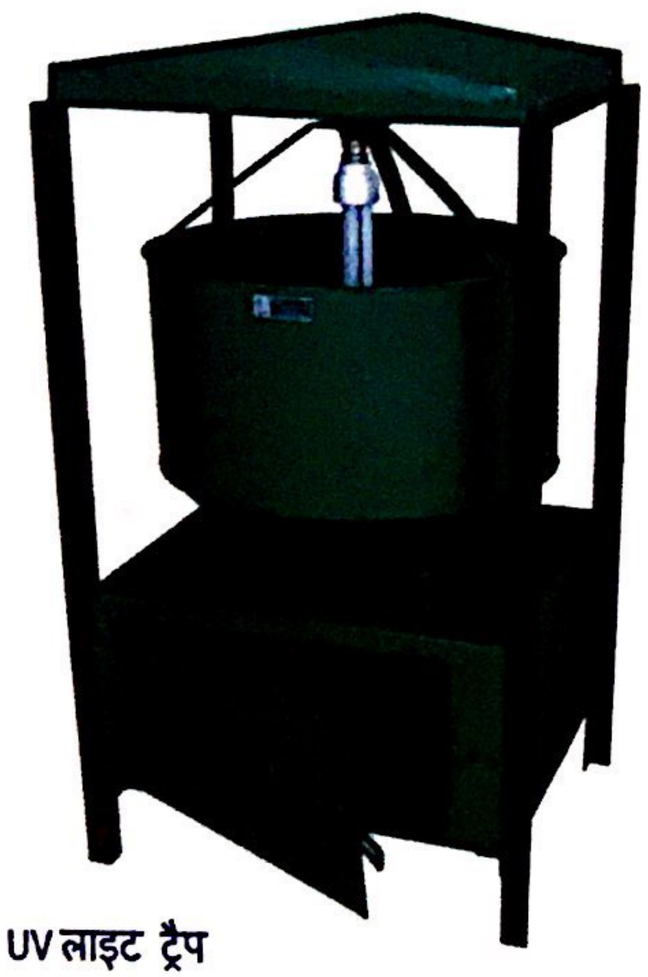

2. UV लाइट ट्रैप
3. बैटरी चालित लाइट ट्रैप
4. गैस लैंप लाइट ट्रैप

5. सोलर चालित लाइट ट्रैप

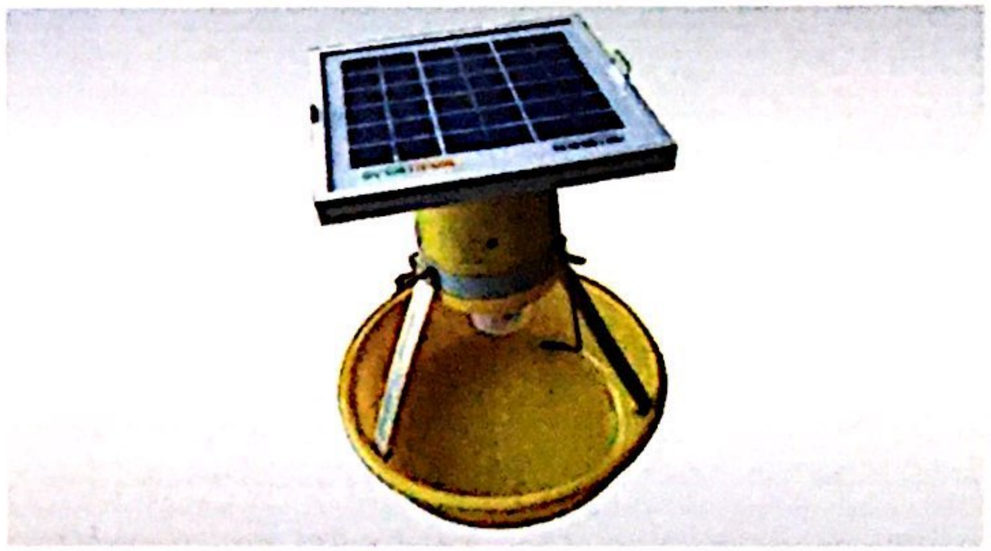

प्रमुख कीड़े जो लाइट ट्रैप से पकडे जाते हैं-

क्रं. स.	फसल	पकडे जाने वाले कीड़े
1.	मूंग	फली छेदक, कातरा या बालों वाली सुंडी, इस्पोडोपटेरा इत्यादि
2.	मोठ	फली छेदक, कातरा या बालों वाली सुंडी, इस्पोडोपटेरा इत्यादि
3.	तिल	फली छेदक या पती लपेटक
4.	बाजरा	बालों वाली सुंडी एवं चने वाली फली छेदक
5.	कपास	सुंडी, इस्पोडोपटेरा, कातरा या बालों वाली सुंडी
6.	मूंगफली	लाल बालों वाली सुंडी, पत्तीयों में सुरंग बनाने वाला कीड़ा, सफ़ेद लट का वयस्क कीड़ा
7.	चना	फली छेदक
8.	टमाटर	फल भेदक या चने वाली फली छेदक
9.	भिन्डी	फली छेदक, इस्पोडोपटेरा
10.	बैंगन	फल छेदक कीड़ा
11.	फूल गोभी	पता छेदक कीड़ा, इस्पोडोपटेरा,
12.	पता गोभी	पता छेदक कीड़ा, इस्पोडोपटेरा

फसल वाले खेत में लगाने का तरीका –

फसल वाले खेत में लाइट ट्रैप को खेत के बीच 1 लाइट ट्रैप प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें! लाइट ट्रैप को लकड़ी या फिर बांस की डंडियों पर फसल से करीब 15 सेमी ऊपर लगायें! लाइट ट्रैप के नीचे पानी भरकर रखें या पानी में केरोसिन का तेल या कोई कीटनाशक दवाई मिलाकर रखें! लाइट ट्रैप के अच्छे परिणाम के लिए इसको सूर्य अस्त के बाद कम से कम 2 घंटे तक खेत में चालू रखें तथा इस तकनीक को सामुदायिक स्तर पर लगाना चाहिए! ऐसा करने से पूरे क्षेत्र के कीड़े इस तकनीक में फंस जाते हैं! फंसे हुए कीड़ों को नष्ट कर देना चाहिए!

Scanned with CamScanner